

प्रेषक, —

अर्जुन चिंह
संयुक्त अधिक
उत्तरांचल शासन।

संवा. मे.

महानिदेशक,
चिकित्सा स्थान्ध्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-३

देहरादून दिनांक ।।। फरवरी 2005

विषय: वर्ष २००४-०५ में नये उपकोन्दों की स्थापना की स्थीरता।

गोदाव.

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-६४/नियो०/४४/२००४-०५/२३३६५ दिनांक १५.८.२००४ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने चाहे निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल नहीं दिल्ली में २००४-०५ में संसदनक में उत्तरांचल जनपदों में कुल ४८ (अडातातीस)स्थानों पर परिवार कल्याण उपकोन्दों ने स्थापना हेतु संलग्नानुसार ४६ १०००००० रुपये ४८ पाठे दाइम राहे हस प्रकार युस १०० (ठियान्वे) अस्थानी बाटी नी उनके संयुक्त अधिकारी अनुभाग/मानन्देय में इस आदेश द्वि नियत होने वाया नियुक्ति की गिरि (जो भी याद में हो) से दिनांक २०.२.२००५ तक सूखन की सही सीकूड़ी ब्रह्मा करते हैं।

- २— नियो० वर्ष २००४-२००५ - उपकोन्दों की स्थापना एवु ग्रामानुसार रु० ६,१७,०००-०० (रु० ६,१७,०००-०० रुपये सलगा दृजार यात्रा) प्राप्ति की स्थीरता भी द्रढान दी जाती है।
- ३— उक्त गोदो पर नियुक्ति आवधवनानुसार दी जाए। उक्त स्थीरता पाठे पूर्णा अवधार हैं एवं उन्हे विना विनी पूर्व सूखना की समाप्ति किया जा सकता है।
- ४— इस संघर्ष में होने वाला आय-आपक २००४-२००५ में अनुदान संक्षा-१२ लेखार्थीर्थक २२११-परिवार कल्याण-आयोजनागता-००-१०१- ग्रामान परिवार कल्याण संवादी-०१- केन्द्रीय आयोजनागता / केन्द्र द्वारा पुरानिधानित योजनाएँ ०३-नये ३,८००० उपकोन्दों की स्थापना (कर्तिक कल्याण केन्द्र) के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामे जाला जायेगा।
- ५— यह आदेश वित्त विभाग के अला० सं०-१०१ / वित्त अनुभाग-२/२००५ दिनांक ८.२.२००५ में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या व दिनांक सदैव

प्रतीतिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आदायक कार्यहारी एवु ग्राप्ति :-

- १-महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून।
- २-निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- ३-कोषाधिकारी, देहरादून।
- ४-सनस्त विलाधिकारी।
- ५-समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी।
- ६-निजी संघिव माठ मुख्य मुख्यमन्त्री।
- ७-वित्त अनुभाग-२/नियोजन विभाग/एन.आई.सी।
- ८-गार्ड फाईल।

भवदोष,
(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

आज्ञा
(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

प्रौद्योगिकी का नाम	अन्वयित क्रमांक	अन्वयित क्रमांक	उपर्युक्त विशेषज्ञ वाद रूपरूप	उपर्युक्त विशेषज्ञ वाद रूपरूप	उपर्युक्त विशेषज्ञ वाद रूपरूप
नामे उपलेख की स्थापना	टिहरी गढ़वाल	1-विनायी, यमुना	प्रौद्योगिकी-१	३००-४००	
		२-विनायी, यमुना	एवं पार्ट टाइप	पाई का १००/-	
		३-विनायी, यमुना	५०/-	५० १००/-	
		४-विनायी, यमुना		प्रौद्योगिकी-१	
		५-विनायी, यमुना			
		६-विनायी, यमुना			
		७-विनायी, यमुना			
		८-विनायी, यमुना			
		९-विनायी, यमुना			
		१०-विनायी, यमुना			
		११-विनायी, यमुना			
		कुल राशि	प्रौद्योगिकी	११	
			पाई का १००/-	११	
2.	तरंग	नीमित्त	१-विनायी, यमुना	प्रौद्योगिकी-१	३००-४००
		२-विनायी, यमुना	एवं पार्ट टाइप	पाई का यानदेय	
		३-विनायी, यमुना	५०/-	५० १००/-	
		४-विनायी, यमुना		प्रौद्योगिकी-१	
		कुल राशि	प्रौद्योगिकी	५	
			पाई टाइप राशि	५	
3.	तरंग	दारोती	१-विनायी, यमुना	प्रौद्योगिकी-१	३००-४००
		२-विनायी	एवं पार्ट टाइप	पाई का यानदेय	
		३-विनायी	५०/-	५० १००/-	
		४-विनायी		प्रौद्योगिकी-१	
		५-विनायी			
		कुल राशि	प्रौद्योगिकी	५	
			पाई टाइप राशि	५	
4.	तरंग	वैद्यालु	१-विनायी	प्रौद्योगिकी-१	३००-४००
		२-विनायी	एवं पार्ट टाइप	पाई का यानदेय	
		३-विनायी	५०/-	५० १००/-	
		४-विनायी		प्रौद्योगिकी-१	
		५-विनायी			
		६-विनायी			
		७-विनायी			
		८-विनायी			
		९-विनायी			
		१०-विनायी			
		कुल राशि	प्रौद्योगिकी	१०	
			पाई टाइप राशि	१०	

2009

7.	लद्दाह उत्तराखण्ड	१-निराम, निराम	प्राप्तिकरण-१	1500-1500	
		२-निराम, निराम	प्राप्ति का दाम	40/- का दाम	
		३-निराम	पर्याप्ति	40/-/-	
		४-निराम, निराम		प्रीतार्थी प्रीतार्थी	
		५-निराम, निराम			
		६-निराम, निराम			
कुल योग		प्राप्तिकरण		6	
कुल योग		प्राप्ति का दाम		6	

(अर्जुन सिंह)
संस्कृत सन्निधि।

लेखाशीर्षक		घनराशि एक माह हेतु(रु०मे)
2211- परिवार कल्याण		
101- ग्रामीण परिवार कल्याण सेवाये		
01- केन्द्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा पुरानिधानित		
0103- नवे ग्रामीण उप केन्द्रों को स्थापना		
01- बेतन	3200×48	153600
48- मंहगाई बेतन	1600×48	76800
03- मंहगाई भत्ता	500×48	24000
06- अन्य भत्ता	400×48	19200
आवर्तक व्यय	योग	273600
अनावर्तक व्यय		
17-किराया उप शुल्क		12000
08-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण		288000
11-लेखन सामग्री		43400
	योग	343400
	महायोग	617000

(रु० इ: लाख सातरह हजार मात्र)

अर्जुन सिंह
संयुक्त सचिव